International Journal of Research in Hindi
www.hindijournal.in
ISSN: 2582-3493
Received: 18-01-2025, Accepted: 19-02-2025, Published: 06-03-2025
Volume 7, Issue 1, 2025, Page No. 1-2

उदय प्रकाश की कहानियों में राजनैति एवं भ्रष्टाचार

आलडो डोमनिक मेनडस
शोधार्थी, शिक्षा विभाग, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, एरणाकुलम, केरल, भारत

सारांश
उदय प्रकाश की कहानियाँ समाज में व्याप्त राजनीतिक भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग, सामाजिक असमानता और अन्याय को उजागर करती हैं। ''मोहनदास'' में नौकरी में धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार को दर्शाया गया है, जबकि ''पीली छतरी वाली लड़की'' में छात्र जीवन की कठिनाइयाँ और रैगिंग की भयावहता को प्रस्तुत किया गया है। ''तिरिछ'' में समाज की मानसिकता और कानून की कठोरता को दर्शाया गया है, वहीं ''मैंगोसिल'' में स्वास्थ्य सेवाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार पर प्रकाश डाला गया है। ''पूँछ में पटाखा'' में मध्यवर्ग की मजबूरी और राजनीतिक दबाव को चित्रित किया गया है। उदय प्रकाश की कहानियाँ आज के समाज की सच्चाइयों को उजागर करती हैं और सत्ता, अन्याय व भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक सशक्त संदेश देती हैं।

मूल शब्दः उदय प्रकाश, भ्रष्टाचार, मोहनदास, पर्यावरण शोषण

आज समाज में भ्रष्टाचार भोला–बाला है। उच्चवर्ग और राजनैतिक नेताओं अपने राजनैतिक लाभ उठाने के लिए कोशिश करते रहते हैं। इसके केलिए वह विविध मार्ग आपनाता है कभी भ्रष्टाचार, गुण्डा आक्रमण या राजनैतिक नेताओं द्वारा दबाव और अलगाव करके अपना साम्राज्य स्थापित करते हैं।

पुराने जमाने में उच्चवर्ग अपना मुष्टी ताकत से या न्याय व्यवस्था द्वारा निम्न वर्ग निकालते थे।

उदय प्रकाश के प्रमुख कहानी है 'मोहनदास'। इस कहानी में प्रमुख पात्र है 'मोहनदास'। गरीब परिवार के पढे लिखे पहला छात्र थे। बहुत कोशिश करने के बाद ग्राजुवेट बना। नौकरी के तलाश में कई दफ्तर में प्रोफइल दिया। कई स्थानों से इन्टरव्यु लेटर भी आये थे। कुछ खास काम नहीं मिला। कई दफ्तर में रिश्वत और बंधु जनों के काम देते थे।

एक बार ओरियंटल कोल माइन में उसे साक्षात्कार के लिए बुलाया। वहाँ एक घण्डे वाली लिखित परिक्षा और शारीरिक परीक्षा के बाद उसका सर्टिफिकेट और मार्कशीट जमा करवाया। काम के लिए एक महीने इन्तजार करने का उपदेश मिलते अनुसार खुश से घर वापय गया।

कई महीने बाद इन्तजार समझ में आया कि 'मोहनदास' का सर्टिफिकेट और मार्कशीट लेकर किसी ने 'मोहनदास' नाम से काम करता रहा है। फिर पता चला कि भ्रष्टचार है।

[1]"गोपाल दास ने कहा कि उसे पता चला है कि विश्वनाथ के बाप नगेन्द्र नाथ ने भर्ती दफतर के बाबु को पटाकर 'मोहनदास' वाला नौकरी का लेटर अपने आवारा बेटा विश्वनाथ को दे दिया। 'मोहनदास' द्वारा साक्षात्कार के दिन जमा किये प्रमाणपत्रों और अंकं सूचियों में मोहन दास के फोटो तो थे नहीं इसका फायदा उठाकर विसननाथ ने खुद को मोहन दास के रूप में प्रस्तुत कर दिया और हर जगह 'मोहनदास' की जगह अपना फोटो लगाकर अदालती हलफनामे से लेकर ग्रजुवेट अफसर तक से प्रमाणित करा लिया"। इस कहानी में रोजगार के क्षेत्र में हुये यथार्थ का चित्रण दे रहा है। रिश्वत, भ्रष्टाचार करके दुसरों को काम मिलने कलिए कई तरह काम उनका मुसिबते देता है। दूसरों को काम देता है। असली 'मोहनदास' को उनका काम मिलने केलिए कई तरह के मुसीबतें सामना करना पड़ता है जैसे गुण्डा आक्रमण नेताओं का धमकी, पुलीस–गुण्डे के दबाव और आक्रमण राजनैतिक तरह से भगाने की कोशिश आदि अनेक विषमताएँ से 'मोहनदास' गुजरते हैं। इस कहानी उदय प्रकाश महात्मा गाँधी 'मोहनदास' नकल नाम दिया पाठकों को और रोजक बना दिया। इस कहानी में लेखक राष्ट्रपिता 'मोहनदास' करमचंदगाँधी नाम में 'मोहनदास' दिया साथ ही घरवालों एक जैसा दिये पाठकों के मन भ्रष्टचार के विविध रूप दिखाया है।

उदय प्रकाश की कहानी 'पीली छतरी वाली लडकी' में राहुल और अंजली के प्रेम कहानी है। इससे छात्रवास में रहने वाले राहुल के दोस्त सापाम तोंबा के विवरण है। वह मणिपूरी छात्र था। एम. एससी प्रीवियस कर रहा था। मणिपुर कलाप दौर पर उसका भाई इम्फाल में मृत्यु होगयी, उसका भाई का अन्तिम संस्कार में शामिल होने नहीं जा पाया था क्योंकि वहाँ पुरा मणिपुर सेना बी.एस.एफ के हवाले थे।

राजनौतिक दौर पर हुई घटना है यह 2025 में भी जारी हो रहा है। वह बहुत दुख की बात है।

[2]"गुण्डे आक्रमण आज भोला–बाला है। छात्रवास की घटनाएँ क्रूरता भरी समाचार यथार्थ चित्रण कहानी में है। गुण्डे ने सापाम के कमरे में भी घुसे थे। उन्होंने उसकी घडी, मनीऑर्डर से आये छह सौ रूपये, चाया की एक केटली और एक थर्मस अससे छीन लिए थीं''।

छात्रों के बीच में रागिंग का नमुना है यह यथार्थ चित्रण है। रागिंग रोकने केलिए कई नियम आज भी है। फिर भी रागिंग आज भी जारी हो रहा है।

[3]'उन्होंने सापाम को मजबूर किया था कि नंगा होकर बिजली के जलते हीटर पर पेशाब करें। टॉर्चर से हारकर जब सापाम ने ऐसा किया तो उसे जोरों का करेंट लगा और उस शौक से वह बेहोश हो गया"।

केरल में इस साल में कोट्यल नार्सिंग कालेज में रागिंग के कारण कॉलंज से चार–पाँच छात्रों को हटाया यह अत्यधिक दुख की बात है।

तिरिछ कहानी में समाज पर सेवा करने वाला आम लोगों पर कानून की धमकी से अकेला होना पड़ा। तिरिछ में तिरिछ जंगली जीवी की आक्रमण से कहानीकार के पिताजी उस तिरिछ को मारना पड़ा। इस पर होनों वाला कहानी समाज की विविध मनोभाव, राय भेद इस में वर्णन किया है।

''मैगोसिल कहानी में चन्द्रकांत और शोभा के बीच पारिवारिक सघर्ष है। शोभा पहले रमाकांत से विवाह किये थे। उसका कोई धंधा नहीं थे और शराब की अधिक उपयोग, वेश्य प्रवृति प्रेरणा, अधिकारी गुण्डा आक्रमण नारी शोषण आदि दर्दभरी घटनाएँ इसमें विवरण किया है।

मैंगोसिल रोग का कारण और इलाज द्रवारा लेखक समाज के पर्यावरण शोषण, प्लास्टिक का उपयोग से पानी मलिन होना के कारण मच्छर जैसे कई किटाणु का आक्रमण से रोग मिला है। साथ ही इलाज क्षेत्र में गरीबों की शोषण भी व्यक्त किया।

पूँछ में पटाख कहानी में मध्यवर्ग के यथार्थ चित्रण किया है। मध्यवर्ग कुत्ते के पूँछ की पटाख रखने जैसे भागता है। राजनौनिक नेताओं का आदेश पर मध्यवर्ग भागते रहते हैं।

निष्कर्ष में यह कहना चाहता है कि उदय प्रकाश अपने कहानी में समाज के विविध विषय पर यथार्थ चित्रण देते हैं। कहानियाँ आज के समाज के राजनैनिक, भ्रष्टाचार और अनीति के विरुध अपना कलम चलाई है कहानियाँ आज भी उस कहानियाँ प्रासंगिकता है।

संदर्भ सूची

1. मोहनदास – उदय प्रकाश – वाणी प्रकाशन – 2006 – पृ.सं. 37
2. पीली छतरी वाली लडकी – उदय प्रकाश – वाणी प्रकाशन – 2005 – पृ.सं.2
3. पीली छतरी वाली लडकी – उदय प्रकाश – वाणी प्रकाशन – 2005 – पृ.सं. 23